



कार्यालय प्राचार्य
बी.सी.एस. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी (छ.ग.)
Website – www.bcspgcdmt.com
E-mail – pgcollege.dhamtari@gmail.com



NAAC GRADE-'B+'

AISHE CODE- C-21763

दूरभाष — 07722-238933
फैक्स — 07722-237933

दिनांक. 23/12/2024

:: सूचना ::

महाविद्यालय के रासेयो के समस्त स्वयं सेवको को सूचित किया जाता है कि दिनांक 24.12.2024 को समय 03:00 बजे प्रकृति परीक्षण अभियान कार्यक्रम महाविद्यालय परिसर में किया जाना है। अतः सभी स्वयं सेवक अनिवार्यतः उपस्थित रहेंगे।

प्र.प्राचार्य

बी.सी.एस. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जिला धमतरी (छ.ग.)

बीसीएस पीजी कॉलेज में देश के प्रकृति परीक्षण के अभियान पर कार्यशाला हुई

भारत न्यूज | धमतरी

बीसीएस पीजी कॉलेज धमतरी में देश के प्रकृति परीक्षण अभियान पर कार्यशाला हुई। आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. दिनेश नाग ने कहा कि यह अभियान समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, एक स्वास्थ्य समाज को बढ़ावा देने और 'वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार' के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आयुष मंत्रालय ने इसके लिए एक एप तैयार किया है, जिसके माध्यम से लोगों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी मांगी जा रही है। इस एप को किसी भी फोन पर डाउनलोड किया जा सकता है। एप में क्यूआर कोड जारी किया जाएगा, जिसको संबंधित डॉक्टर स्केन कर व्यक्ति को उनका प्रकृति बताएंगे। प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार पाठक ने कहा कि



धमतरी। कार्यशाला में उपस्थित चिकित्सक, प्रोफेसर व अन्य।

आयुर्वेद भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी चिकित्सा पद्धति है। प्रत्येक व्यक्ति जो प्रकृति परीक्षण में भाग लेता है और व्यक्तिगत स्वास्थ्य दृष्टिकोण अपनाता है, एक स्वस्थ भारत के निर्माण में योगदान दे रहा है। यह सिर्फ शुरुआत है और हम साथ मिलकर आने वाली पीढ़ियों के लिए देश के स्वास्थ्य में बदलाव लाएंगे। डॉ. एके सिंग ने कहा कि दोष शरीर के कामों और स्वास्थ्य को नियंत्रित करने का कार्य करती है। हर दोष की अपनी विशेषताएं, गुण और काम होते हैं। दोषों के असंतुलन या विकृति के कारण हमारा शरीर बीमार पड़ता है। इस असंतुलन का कारण अनुचित आहार, अनुचित दिनचर्या, खराब जीवनशैली और तनाव। इस अवसर पर सरोज प्रसाद, डॉ. वेदवती देवांगन, संदीप, गौरा, महिमा, शाहिला, कौशल, एस, भावना, प्रिंस, नरेन्द्र तिलेश्वरी, डोमेन्ट्री, वीणा, अभिलाषा, परमानंद, सौरभ आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना

बी.सी.एस.शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी (छ.ग.)

वृत्ति वा पद्धति परीक्षण कार्यशाळा / अभियान
दिनांक ..24/12/2024.....

क्र.	नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1	Mahima Wazir	Bsc. II year (Bio)	Mahima
2	Vidya Patkar	B. Sc II year (Bio)	Vidya
3	Sahila Parveen.	B. Sc II year (Bio)	Sahila
4	Gauri Pandey	BSC II year (Bio)	Gauri
5	Kaushal Kumari.	B. SC II year (Maths + IT)	Kaushal
6	Lillesh	B. Com I Sem.	Lillesh
7	Shreyansh Thakur.	B. Com I Sem.	Shreyansh
8	Taniya Mahar	B. A. II	Taniya
9	Dr. A-K. SINGH	Asst. Prof (Chem)	AKS
10	Dr. Vande Kumar	Kurukul	Vande
11	Mr. Suresh Kumar	Ayush clinic	Suresh
12	Pravara Prasad	Ayush clinic	Pravara
13	Mrs. Humeshwari Sahy	Ayush clinic	Hsahy
14	SMT SAROT PRASAD	Ayush clinic	Sarot
15	Aakanksha Magikam	Asst. Prof	Ons
16	Dr. vedvanti Desai	Asst. Prof.	Vedvanti
17	Jhaveri	Ayush clinic	Jhaveri
18	Dullesh Kumar	Ayush clinic	Dullesh
19	Prayanka		Prayanka
20	Anamika		Anamika
21	Pratibha Sahy	Ayush polyclinic	Pratibha
22	vibha Pandey	BSC III (Bio)	Vibha Pandey
23	Bhavana	BSC II (Bio)	Bhavana
24	Vivek Sahy	BSC III (Bio)	Vivek
25	Dr. Meenakshi Tiwari	Guest Lec. Economics	Meenakshi
26	Dr. Ashwari Kumar	Guest Hindi	Akumar

आयुर्वेद को जीवन शैली के रूप में अपनाने की पहल- डॉ. नाग

नवभारत ब्यूरो। धमतरी।

बीसीएस शासकीय पीजी कॉलेज धमतरी के प्राचार्य डॉ. विनोद पाठक के मार्गदर्शन एवं आकांक्षा मरकाम कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस के निर्देशन में देश का प्रकृति परीक्षण अभियान पर कार्यशाला आयोजित की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 9वें आयुर्वेद दिवस समारोह के अवसर पर आयुष मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से देश का प्रकृति परीक्षण अभियान किया जा रहा है। इसका उद्देश्य वात, पित्त और कफ दोषों के आयुर्वेदिक सिद्धांतों के आधार पर किसी व्यक्ति के शारीरिक प्रकृति की पहचान करने पर केंद्रित है। यह ज्ञान व्यक्तियों को बेहतर स्वास्थ्य और बीमारी की रोकथाम के लिए अपनी जीवनशैली, आहार और व्यायाम दिनचर्या को अनुकूलित करने में सक्षम बनायेगा। डॉ. दिनेश नाग आयुर्वेद चिकित्सक जिला धमतरी ने कहा कि पारंपरिक ज्ञान को



आधुनिक स्वास्थ्य पद्धतियों के साथ एकीकृत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, जिससे आयुर्वेद को निवारक स्वास्थ्य सेवा का आधार बनाया जा सके। नागरिकों को सक्रिय रूप से भाग लेने और बेहतर स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद को जीवन शैली के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यह अभियान समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, एक स्वस्थ समाज को बढ़ावा देने और वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आयुष

मंत्रालय ने इसके लिए एक ऐप तैयार किया है जिसके माध्यम से लोगों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी मांगी जा रही है। इस ऐप को किसी भी फोन पर डाउनलोड किया जा सकता है। ऐप में क्यूआर कोड जारी किया जाएगा जिसको संबंधित वालंटियर स्कैन कर व्यक्ति को उनका प्रकृति बताएंगे। डॉ. दिनेश नाग ने बताया कि प्रकृति परीक्षण ऐप कैसे कार्य करती है? ऐप से स्वास्थ्य की सूचना 12 प्रश्नावली में मांगी जायेगी। जानकारीयां सबमिट करने के बाद क्यूआर कोड जनरेट होगा। कॉलेज के सभी प्राध्यापकों, विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों से

ऐप डाउनलोड कर उक्त जानकारी भरवा कर तथा उनकी स्वास्थ्य प्रकृति से अवगत करवाया गया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन एवं आभार आकांक्षा मरकाम के द्वारा किया गया। उक्त कार्यशाला में सरोज प्रसाद, डा. वेदवती देवांगन, ग्रेस कुजूर, कौशल प्रसाद कोसिमा, आयुष क्लिनिक से प्रकाश, हुमेश्वरी, ईश्वरी, दुलेश, मोहित, स्वयंसेवक विवेक, विभा, संकेत, संदीप, गौरा, महिमा, शाहिला, कौशल, एस, भावना, प्रिंस, नरेंद्र, तिलेश्वरी, डोमेन्द्री, वीणा, अभिलाषा, परमानंद, सौरभ तथा अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी चिकित्सा पद्धति है आयुर्वेद

बीसीएस शासकीय पीजी कॉलेज धमतरी के प्राचार्य डॉ. विनोद पाठक ने कहा कि आयुर्वेद भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी चिकित्सा पद्धति है। प्रत्येक व्यक्ति जो प्रकृति परीक्षण में भाग लेता है और व्यक्तिगत स्वास्थ्य दृष्टिकोण अपनाता है और एक स्वस्थ भारत के निर्माण में योगदान दे रहा है। यह सिर्फ शुरुआत है, और हम साथ मिलकर आने वाली पीढ़ियों के लिए देश के स्वास्थ्य में बदलाव लाएंगे। डॉ. एके सिंग ने कहा कि आयुर्वेद जीवन जीने की कला सिखाता है। दोष शरीर के कार्यों और स्वास्थ्य को नियंत्रित करने का कार्य करती है। हर दोष की अपनी विशेषताएं, गुण, और कार्य होते हैं। दोषों के असंतुलन या विकृति के कारण हमारा शरीर बीमार पड़ता है। इस असंतुलन का कारण है अनुचित आहार, अनुचित दिनचर्या, खराब जीवनशैली और तनाव।



Google

धमतरी, छत्तीसगढ़, भारत

Pg5j+83j, सुभाष नगर, धमतरी, छत्तीसगढ़ 493773, भारत

Lat 20.708284° Long 81.529906°

24/12/24 12:04 PM GMT +05:30



GPS Map Camera

राष्ट्रीय सेवा योजना

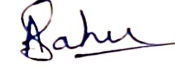
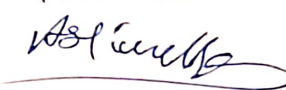
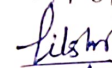
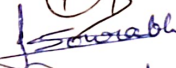
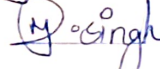
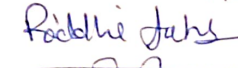
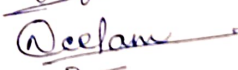
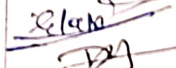
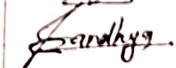
बी.सी.एस. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी (छ.ग.)

उत्तर - 02

प्रकृति

परीक्षण

कार्यशाला / अभियान
दिनांक ... 21/12/2024 ...

क्र.	नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1	संकेत कुमार साहू	B. Sc. III Bio	
2	संदीप	B. Sc. - II (Maths)	संदीप
3	Rasmanand Dhanu	B. Com II nd Year	
4	Ashish Sahu	BSc - IT 1 st Sem	
5	Lochan	BA - 1 st Sem	लोचन
6	Prince Kumar	B.A. 1 st sem.	Prince
7	AB Kunel	B. A. I sem.	
8	वीणा	B. COM II year	वीणा
9	भामिलाषा	B. COM II year	भामिलाषा
10	तिलोत्तरी	BSc III (Bio)	
11	Domenndmi	BSc III (Bio)	
12	Laxmi Devi	BSc III (Bio)	Laxmi Devi
13	Piyush Kumar	B. Com I st Sem.	
14	Sowrabh Sahu	B.A. Part II	
15	Vijali Singh Rajput	B. Com 1 st Sem	
16	सोनम सिन्हा	B. com 1 st sem	Sonam sinha
17	Riddhi Sahu	B. com 1 st sem	
18	यामिनी साहू	B. com 1 st sem.	यामिनी साहू
19	अरुण खास	B. com 1 st Sem	अरुण खास
20	निजिता	B. com 1 st SEM	निजिता
21	गायत्री सिन्हा	B. Sc I st Bio	
22	नीलम यादव	B.S.C 1 st Bio	
23	नखेल सोनी	B.Sc. 1 st Sem Bio	
24	Disha Mahajan	B. Com. 1 st Sem.	
25	Sandhya Sonkar	B. com 1 st sem	

ಇಂಚಿ-02

આધ્યોજાલક :- રાષ્ટ્રીય સેવા યોજના

પણિ પરીક્ષણ કાર્યશાળા / મમિયાં

दिनांक 24.12.2024

[illegible]